इस दुनिया ने सलाम भी उसी को किया है जिसने सफलता को हासिल किया है।

तेवर वही, अंदाज नया .....!

साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

डाक पंजीयन संख्या मालवा संभाग
L2/65/RNP/397/2024-26

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

Connect with Ujjain Times : www.ujjaintimes.in @UjjainTimes UjjainTimes UjjainTimes734 Channel : Ujjain Times

● वर्ष : 63, अंक : 46 ● उज्जैन, युगाब्ध-5126, विक्रम संवत् 2081 मंगलवार दिनांक 13-08-2024 से 19-08-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

इन्द्रदेव ने वर्षा कर किया बाबा महाकाल का जलाभिषेक

उज्जैन। भगवान श्री महाकालेश्वर की श्रावण माह में निकलने वाली सवारियों के क्रम में चौथे सोमवार को परम्परानुसार श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी धूमधाम से निकली। सवारी में भगवान श्री महाकालेश्वर ने चार विभिन्न स्वरूपों में भक्तों को दर्शन दिये। जिसमें पालकी में श्री चन्द्रमोलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, बैलगाडी में गरूड पर शिवतांडव एवं बैलगाडी में नंदी पर श्री उमा-महेश के स्वरूप में विराजमान होकर अपनी प्रजा का हाल जानने निकले। श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में भगवान का वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री रामनिवास रावत, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री लखन पटेल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री दिलीप जायसवाल, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, पूर्व मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा ने विधिवत पूजन-अर्चन किया और सवारी में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक श्री सतीश मालवीय, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री राजपाल सिसोदिया,श्री ओम जैन, संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी पूजन किया। भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकलें। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में विराजित भगवान को सलामी दी गई। सवारी परंपरागत मार्ग महाकाल चौराहा, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाडी से होती हुई रामघाट पहुंची । जहॉ मां क्षिप्रा के जल से भगवान का अभिषेक और पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद सवारी रामानुजकोट, मोढ की धर्मशाला, कार्तिक चौक खाती का मंदिर, सत्यीनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार से होती हुई पुनः श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी महाकाल मन्दिर से प्रस्थान कर जैसे ही रामघाट पर पहुंची, वैसे ही चहुंओर आस्था और श्रद्धा का जन-सैलाब उमड़ पड़ा। श्रावण में अपने सौंदर्य की छटा बिखेरते हुए स्वयं प्रकृति भगवान श्री महाकाल का स्वागत करने के लिए आतुर दिखाई दी। पुजारियों के साथ भगवान का जलाभिषेक वर्षा कर इन्द्रदेव ने भी किया। जिससे रामघाट पर भव्यता, दिव्यता और आस्था का अद्भुत संगम दिखाई दिया। रामघाट और दत्त अखाड़ा पर चहुंओर बढ़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहें। भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन और जलाभिषेक पं.आशीष पुजारी द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन कराया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री उमेशनाथ जी महाराज सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी में सीधी जिले के जनजातीय कलाकारों की लोक नृत्य घसिया बाजा की अद्भुत प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोहा। भगवान शिव की बारात में दानव, मानव, भूत-प्रेत, भिन्न भिन्न तरह के जानवरों द्वारा द्वारा किए गए नृत्य और करतबों को सीधी के श्री उपेन्द्र सिंह के नेतृत्व जनजातीय कालकारों द्वारा नृत्य के रूप में प्रस्तुत किया। कलाकारों ने बंडी, पजामा, कोटी, वेषभूषा धारण कर गुदुम बाजा, डफली, शहनाई, टिमकी, मांदर, घुनघुना वाद्य यंत्र पर अद्भुत प्रस्तुति दी। बाबा महाकाल की सवारी में शिप्रा तट के पावन रामघाट पर बटुकों की सुरमई शिव भजनों की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। बटुकों के मंगलम, ओमकार मंगलम आदि भजनों और मंत्रोचारण से सवारी में समा बांधा। श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी में श्रद्धालुओं का उत्साह और उमंग अलौकिक रहा। हजारों की संख्या में भक्त झांझ, मजीरे, ढोल और भगवान का प्रिय वाद्य डमरू बजाते हुए पालकी के साथ उत्साहपूर्वक आराधना करते हुए चले। कई श्रद्धालुओं ने बाबा की सवारी में आकर्षक स्वरूप धारण किया। श्रद्धालुओं ने सुगमतापूर्वक भगवान के दर्शन लाभ लिए।

श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए प्रशासन द्वारा समुचित व्यवस्थाएं की गई। बाबा महाकाल की सवारी में आगे और पीछे दो चलित रथ भी चले, जिसमें लगी एलईडी के माध्यम से श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। इसके अतिरिक्त महाकाल घाटी, रामघाट, दत्त अखाड़ा, गोपाल मंदिर आदि प्रमुख स्थानों पर भी बड़ी एलईडी लगाई गई जिसमें सवारी का सजीव प्रसारण किया गया।

संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने की व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की गई संभागायुक्त उज्जैन श्री संजय गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक श्री संतोष कुमार सिंह, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा बाबा महाकाल की सभी सवारी के दौरान व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की गई एवं अधिकारियों को आवश्यकता अनुसार दिशा निर्देश भी दिए गए।

शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना माना नाम
महर्षि सांदीपनि पब्लिक हाई स्कूल

महर्षि सांदीपनि पब्लिक हाई स्कूल विगत 24 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना माना नाम है। उज्जैन शहर में 13 बच्चों की संख्या से प्रारंभ विद्यालय आज 1500 बच्चों का सुखद भविष्य गढने हेतु प्रयत्नरत है। विद्यालय अपनी प्री प्रायमरी नर्सरी व के.जी. की कक्षाओं में नवाचार के लिए प्रसिद्ध है। अपने पाल्य के प्रवेश हेतु निवेदन है कि एक बार अवश्य विद्यालय का अवलोकन करे।

प्राचार्य

● भारती महेश तिवारी

सम्पादकीय

पेरिस ओलंपिक मीठे-खट्टे अनुभव

सबसे बड़ी खुशी राष्ट्रीय खेल हॉकी को लेकर है कि हमने लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता है। इससे निस्संदेह भावी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा, हम लगातार अपने खेल को सुधारते और पदक जीतते चले जाएंगे। इस ओलंपिक को नीरज चोपड़ा के रजत पदक और उनके साथी पाकिस्तानी अरशद नदीम के स्वर्ण पदक के लिए भी याद किया जाएगा। नीरज और नदीम की मां के उद्गार भी याद आएंगे। लंबे समय बाद पाकिस्तान की झोली में एक पदक, वह भी स्वर्ण आया है और पाकिस्तानियों को चर्चा के लिए एक सकारात्मक विषय मिला है। नदीम वहां प्रेरणास्रोत बनें, तो इसमें दक्षिण एशिया का हित है। यह ओलंपिक निशानेबाज मनु भाकर के लिए भी याद किया जाएगा। उन्होंने एक कांस्य पदक व्यक्तिगत शूटिंग में और दूसरा सरबजोत के साथ मिश्रित टीम में जीता है। निशानेबाज स्वप्निल कुसाले और पहलवान अमन सहरावत ने भी कांस्य जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। यह ओलंपिक हॉकी गोलकीपर पी आर श्रीजेश की शानदार विदाई के लिए भी याद किया जाएगा। ये खिलाड़ी अब प्रेरणा-स्रोत बनकर भारतीय खेल इतिहास में दर्ज हो गए हैं। पेरिस ओलंपिक 2024 के मीठे-खट्टे अनुभवों को भारत एक सबक की तरह हमेशा याद रखेगा। छह पदकों (एक रजत, पांच कांस्य) के साथ ओलंपिक 2024 में भारत के सफर का समापन हो गया। यह याद आना स्वाभाविक है कि पिछले टोक्यो ओलंपिक में हमने सात पदकों (एक स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य) के साथ इससे बेहतर प्रदर्शन किया था। यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि अगर पहलवान विनेश फोगाट की अयोग्यता का मामला न होता, तो भारत अपने प्रदर्शन को दोहराने में सफल हो जाता। यह भी याद किया जाएगा कि विनेश फोगाट के मामले ने देश में बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन जिस देश में राजनीति और खेल संघों को अलग-अलग न किया जा सके, वहां ऐसे विवाद स्वाभाविक हैं। यह 100 ग्राम से उपजी सियासत भी सुबूत है कि हम खेलों व खिलाड़ियों के प्रति पूरी तरह पेशेवर या समर्पित नहीं हैं। विनेश प्रकरण के अनेक परत हैं, जिन पर हमें गौर करना होगा। फिर भी प्रशंसा करनी चाहिए कि हमने ओलंपिक की खेल अदालत में विनेश की शिकायत को पुरजोर ढंग से उठाया है और मुमकिन है कि 13 अगस्त को एक और रजत पदक हमारी झोली में आ जाए। अब यहां से खेल प्रबंधकों-निर्णायकों के लिए काम शुरू हो जाता है। क्या सोचा गया था और क्या हुआ है? आगे क्या सुधार करना है? किससे क्या सीखना है? खेल निर्णायकों को युद्ध स्तर पर काम करना होगा, तभी उनकी सार्थकता है, वरना पदक तालिका तो अभी कहीं उत्साह से दिखाने लायक भी नहीं है। सबसे ज्यादा पदक अमेरिका ने जीते हैं, पर चीनी खिलाड़ियों ने रणनीति के तहत स्वर्ण पर निशाना साधा है। जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, नीदरलैंड, ग्रेट ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली इत्यादि के पदक गिनने के बजाय हमारा जोर अपने प्रदर्शन को सुधारने पर होना चाहिए। हमें सोचना होगा कि हमारा ध्यान किधर ज्यादा है? मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में क्यों हमारी अवनति हुई है?

पश्चिम बंगाल पुलिस को आरजीकर की महिला प्रशिक्षु डॉक्टर का रक्तरंजित शव देख भी नजर नहीं आई हैवानियत, कह दिया-आत्महत्या का केस

कोलकाता। आरजीकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला प्रशिक्षु डॉक्टर (द्वितीय वर्ष की मेडिकल छात्रा) का शव देखकर भी पुलिस को हैवानियत नजर नहीं आई। पुलिस ने कह दिया यह तो आत्महत्या का केस है। यह सुनते ही वहां मौजूद लोगों की आंखें फटी की फटी रह गईं। और भड़का गुस्सा आंदोलन के रूप में बदल गया। जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है।

पिछले गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात चिकित्सा संस्थान परिसर में हुई इस घटना के विरोध में राज्य के विभिन्न हिस्सों में डॉक्टरों के प्रदर्शन के कारण मरीजों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इलाज नहीं मिलने की वजह से कई जगहों पर मरीजों की मौत हो रही है। यह हड़ताल अब बंगाल तक ही सीमित नहीं रही, देश के कई हिस्सों में भी जूनियर डॉक्टर्स ने हड़ताल शुरू कर दी है।

पुलिस ने एक आरोपित संजय राय को गिरफ्तार कर लिया है, जो सिविक वॉलंटियर था और अंततः कोलकाता पुलिस का ही हिस्सा था। इसके बावजूद छात्रों और डॉक्टरों का आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक संवेदनशील मुद्दे के रूप में इस घटना के बाद पुलिस और अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी बनती थी कि वे हालात को संभालें, लेकिन हालात और बिगड़ते चले गए।

घटना के बाद सैकड़ों की संख्या में मेडिकल स्टाफ धरने पर बैठ गया। इसमें आरजीकर के अलावा कोलकाता मेडिकल कॉलेज, नेशनल मेडिकल कॉलेज, और नर्सिंग स्टाफ समेत कई अन्य अस्पतालों के चिकित्सक शामिल हैं। धरने पर बैठी एक महिला चिकित्सक ने कहा, घटना इतनी भयानक थी कि इसे सुनकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे। अस्पताल परिसर के अंदर एक डॉक्टर के साथ इस तरह की बरबर्ता हुई है कि उसके कंधे तोड़ दिए गए, उसकी आंखों और प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। कोई सामान्य व्यक्ति भी देखे तो समझ जाएगा कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि निर्मम हत्या है। इसके बावजूद, पुलिस ने मौके पर पहुंचते ही इस घटना को आत्महत्या करार दे दिया, जो कि बिल्कुल लापरवाह और संवेदनहीन था।

डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ का आक्रोश

धरने में शामिल एक ट्रेनी डॉक्टर ने बताया कि पुलिस का रवैया यह दर्शाता है कि इस मामले में न्याय की कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा, संजय राय को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन हमें इस पर संदेह है कि वही असली अपराधी है या नहीं। पुलिस ने इस पूरे मामले में शुरुआत से ही गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाया, जिससे यह साफ हो गया कि वे मामले को दबाने की कोशिश कर रहे थे। इस तरह की परिस्थितियों में डॉक्टरों का गुस्सा स्वाभाविक है। जब तक मजिस्ट्रेट की निगरानी में जांच नहीं होती, हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

लोग आरोप लगा रहा हैं कि अगर छात्र आंदोलन नहीं करते तो पुलिस इस घटना को पहले ही दबा चुकी थी। जब जूनियर डॉक्टर धरने पर बैठे और हालात बिगड़ने लगे तब मजबूरी में पुलिस कमिश्नर को मौके पर आना पड़ा। उनसे माफी की मांग की गई है लेकिन वह भी अपने अड़ियल रुख पर अड़े हुए हैं जो बताता है कि महानगर में डॉक्टरों के प्रति पुलिस की लापरवाही किस हद तक है। यह शर्मिंदगी भरा है। धरने पर बैठी एक अन्य महिला ट्रेनी डॉक्टर ने कहा कि इस घटना के बाद नर्सिंग और अन्य मेडिकल स्टाफ डर के साए में जी रहे हैं, खासकर महिलाएं। उन्होंने कहा, हमारे साथ पहले भी मारपीट और दुर्व्यवहार की घटनाएं हुई हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिस पुलिस को हमें सुरक्षा देनी चाहिए, वही सिविक वॉलंटियर इस घटना का हिस्सा था।

प्रिंसिपल की भूमिका

प्रदर्शन में शामिल एक वरिष्ठ डॉक्टर, जो पूरे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं, ने अस्पताल प्रबंधन पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, घटना के तुरंत बाद अस्पताल के प्रिंसिपल संदीप घोष ने बेहद गैर-जिम्मेदाराना बयान दिया। उन्होंने सबसे पहले इस घटना को आत्महत्या करार दिया, जिसके बाद पुलिस आत्महत्या का रट लगने लगी। उन्होंने कहा कि इस मामले को जानबूझकर दबाया गया, और अगर हम आंदोलन नहीं करते तो इस पूरे मामले पर पर्दा डाल दिया जाता।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले अस्पताल के प्रिंसिपल ने यह भी कहा कि महिला डॉक्टर रात में वहां क्यों गई थी। यानी एक अस्पताल के अंदर एक डॉक्टर की सुरक्षा मायने नहीं रखती थी बल्कि उसके कैरेक्टर पर सवाल उठाया जा रहा था। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा थी और उस पर से पुलिस ने आग में घी डालने का काम किया।

स्वास्थ्य विभाग पर सवाल

स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, संदीप घोष अपने कार्यकाल के दौरान लगातार विवादों में रहे हैं। कई बार तबादले के बावजूद बिल्कुल कम समय, वे अपने राजनीतिक संपर्कों का लाभ उठाकर आरजीकर में वापस आ जाते थे। इस बार भी, उनके इस्तीफे का इंतजार किया गया, बजाय इसके कि उन पर कड़ी कार्रवाई की जाती, उन्हें खुद से इस्तीफा देने का इंतजार किया गया जबकि हम लगातार इसके लिए मांग कर रहे थे। संदीप घोष ने अपने इस्तीफे को भी विक्टिम कार्ड की तरह इस्तेमाल किया और स्वास्थ्य विभाग ने इसमें उनका साथ दिया। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा, जाहिर सी बात है यह विभाग में बैठे अधिकारियों के गैरसंवेदनशील आचरण को दिखाने वाला है। एक महिला डॉक्टर ने कहा कि प्रिंसिपल का बयान, उनका बर्ताव सब कुछ संदिग्ध है। उन्हें हिरासत में लेकर जांच करनी चाहिए लेकिन इस्तीफा देकर वह भाग निकले और ना तो पुलिस और ना ही स्वास्थ्य विभाग ने उनकी भूमिका की जांच शुरू की है। इसलिए आंदोलन तो जारी ही रहेगा।

वारदात में एक से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना प्रबल

प्रदर्शन में शामिल एक अन्य महिला डॉक्टर ने बताया कि इस घटना में सिर्फ एक व्यक्ति के लिए इतनी वीभत्स हत्या कर पाना असंभव सा जान पड़ता है। उन्होंने कहा, पुलिस का कहना है कि संजय राय इस घटना के दौरान काफी नशे में था, लेकिन अगर वह नशे में था, तो उसके लिए खुद को संभाल पाना मुश्किल होता, ऐसे में इस तरह की निर्मम हत्या करना संभव नहीं है। निश्चित रूप से इसमें कई लोग शामिल हैं और उन्हें बचाने की कोशिश हो रही है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का कहना है कि जब तक इस मामले की जांच मजिस्ट्रेट की निगरानी में नहीं होती और दोषियों को कड़ी सजा नहीं मिलती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। कई अन्य प्रदर्शनकारियों ने कहा कि एक व्यक्ति के बस की इतनी बड़ी घटना को अंजाम देना नहीं है। जाहिर सी बात है कि जिसे बचाने की कोशिश पुलिस कर रही है वह कहीं ना कहीं बड़ा प्रभावशाली है और पुलिस अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए पूरे देश के सामने बंगाल को शर्मिंदा कर रही है।

स्पैमर सावधान

After detailed deliberations, the following decisions were taken-

(i) **If any entity misuses its SIP/ PRI lines for making spam calls, all the Telecom Resources of the entity shall be disconnected by its Telecom Service Provider (TSP) and the entity shall be blacklisted by it. This information shall be shared by the TSP with all other TSPs who will, in turn, disconnect all the telecom resources given by them to that entity and blacklist it for a period of up to two years. No new telecom resources shall be allocated to it by any TSP during the period of blacklisting.**

(ii) With effect from 1st September 2024, no message, containing URLs/ APKs that are not whitelisted, shall be allowed to be delivered.

(iii) The technical implementation of Entity and Telemarketer chain binding for ensuring traceability of the message flow shall be completed by the TSPs latest by 31st October 2024.

ट्राई के निर्णयों के अनुसार-

1. यदि कोई इकाई स्पैम कॉल करते हुए पाई जाती है, तो इकाई के सभी टेलीकॉम संसाधनों को डिस्कनेक्ट कर दिया जाएगा और सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों द्वारा 2 साल तक के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। सितंबर 2024 से, कोई भी संदेश, जिसमें यूआरएल/एपीके शामिल नहीं हैं, जो श्वेत सूची में नहीं हैं, वितरित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारतीय सेना चीन के साथ झड़कों की खबरों को बताया फर्जी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने सोमवार को सोशल मीडिया पर चल रही भारतीय सेना और चीनी सेना (पीएलए) के बीच झड़पों की खबरों का खंडन करते हुये इन्हें फर्जी और महज अफवाह बताया है।

रक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त महानिदेशक जन सूचना (एडीजीपीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, सोशल मीडिया पर आज भारतीय सेना और पीएलए सैनिकों के बीच झड़पों के बारे में फर्जी संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। यह खबर गलत है और ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। साथ ही उन्होंने गलत सूचना और फर्जी संदेशों से सावधान रहने का अनुरोध भी किया।

ओलंपिक रैंकिंग

दुनिया के 15 सबसे बड़े देशों द्वारा जीते गए ओलंपिक पदक।

India's New Cabinet Secretary

सरकार ने 1987 बैच के आईएएस अधिकारी टीवी सोमनाथन की 30 अगस्त से दो साल के कार्यकाल के लिए कैबिनेट सचिव के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वर्तमान में, वह भारत के वित्त सचिव हैं। इस नियुक्ति से पहले, उन्होंने प्रधान मंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव के रूप में कार्य किया।

भारत ने 52 साल के लंबे अंतराल के बाद हॉकी में लगातार दो ओलंपिक पदक जीते है।

आरबीआई ने दो महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं-

1. कोई भी परिवारजन लेन-देन के लिए आपकी यूपीआई आईडी का प्रयोग कर सकता है। आप इसमें एक सीमा तय कर सकते हैं।

2. बैंकों से अब कुछ ही घंटों में चेक क्लियर हो जाएगा। इसके लिए दो दिन तक इंतजार करने की जरूरत नहीं।

वायनाड त्रासदी पीड़ितों की मदद के लिए चाय विक्रेता ने 44 हजार जुटाए

चेन्नई। तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई शहर के चाय विक्रेताओं के समूह में जब से वायनाड में भूस्खलन से हुई त्रासदी की खबर आई है तब से पुदुक्कोट्टई के मेट्टुपट्टी गांव में चाय दुकानदार शिवकुमार परेशान हैं।

एक परोपकारी व्यक्ति की पहचान रखने वाल शिवकुमार ने कोविड के दौरान जनता की मदद करने और अपने देश में आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंकाई तमिलों की मदद करने के लिए खूब नाम कमाया। अब वह पड़ोसी राज्य केरल के वायनाड आपदा से पीड़ित लोगों की मदद करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने अब तक 44,000 रुपये एकत्र किए हैं जिसे 13 अगस्त को कलेक्टर के माध्यम से पीड़ितों तक पहुंचाएंगे।

शिवकुमार ने 'मोई विरुंधु' चाय पार्टी का आयोजन किया और 12 घंटे के भीतर 44,700 रुपये जमा कर लिए। उन्होंने बताया कि इस राशि का इस्तेमाल वायनाड के भूस्खलन प्रभावित परिवारों की मदद के लिए किया जाएगा। इस पहल के तहत उन्होंने अपने ग्राहकों को मुफ़्त में चाय पीने का न्योता देकर यह अनुरोध किया कि वहअपनी इच्छानुसार वायनाड आपदा प्रबंधन के लिए दान बॉक्स में कोई भी राशि डालकर सहयोग करें। शिवकुमार, जो नवजात शिशुओं को मुफ़्त दूध भी मुहैया कराते हैं, उन्होंने कहा, मैंने पहले भी ऐसी कई गतिविधियाँ शुरू की हैं, लेकिन यह अब तक एक दिन में जमा की गई सबसे बड़ी राशि है। मेरा मानना है कि लोग हमेशा अच्छे काम के लिए आगे आते हैं। मैंने शुरू में केरल जाकर मुख्यमंत्री को राशि देने के बारे में सोचा था लेकिन बाद में लगा कि अगर यात्रा व्यय भी राशि में जोड़ दिया जाए तो बेहतर होगा। जिला कलेक्टर को पूरी राशि सौंपने से पहले 13 अगस्त तक इंतज़ार करूँगा क्योंकि कई लोगों ने मुझे ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने की पेशकश की है। इसी गाँव के निवासी चिथिराई सेलवन ने कहा, लोगों की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि लोग शिवकुमार पर कितना भरोसा करते हैं। वह गांव के बुजुर्गों की मौजूदगी में पैसे गिनते हैं। वह इस बात का जीता जागता उदाहरण हैं कि कैसे एक आम आदमी का प्रयास समाज में बदलाव ला सकता है।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करेंगी मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 78 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को राष्ट्र को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति का संबोधन आकाशवाणी के संपूर्ण राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किया जाएगा। दूरदर्शन के सभी चैनलों पर भी हिंदी और उसके बाद अंग्रेजी में इसका प्रसारण किया जायेगा। दूरदर्शन पर हिंदी और अंग्रेजी में संबोधन के प्रसारण के बाद क्षेत्रीय चैनलों द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं में इसका प्रसारण किया जाएगा।

प्रदेश की लाड़ली बहनों के चेहरे पर मुस्कान के लिए प्रदेश सरकार कृत संकल्पित-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाई, बहन के प्रेम के प्रतीक सावन पर्व पर राज्य सरकार ने लाड़ली बहना योजना के तहत 1250 रुपए के साथ 250 रुपए शगुन की राशि के रूप में बहनों के खातें में जमा कराए हैं। प्रदेश सरकार बहनों के चेहरे पर मुस्कान के लिए कृत-संकल्पित है। उन्होंने सभी बहनों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से अपील की कि हर घर तिरंगा अभियान में अपने घरों पर तिरंगा झंडा अवश्य लगाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों का भाई होने पर वे गौरवान्वित महसूस करते हैं। अपनी इन सवा करोड़ बहनों के साथ सावन का पूरा माह रक्षाबंधन मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक देश में बसे भारतवंशियों की हमेशा चिंता करते हैं और जरूरत पड़ने पर हर नागरिक की हरसंभव मदद करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भैंसदेही महाविद्यालय का नामकरण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गंजन सिंह कोरकू के नाम और मेंडा जलाशय का नाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राम भाऊ कोरकू के नाम पर करने की घोषणा भी की। साथ ही भैंसदेही में जनजातीय संस्कृति अध्ययन शाला प्रारंभ करने की घोषणा भी की।

उन्होंने भीमपुर में 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल स्वीकृत करने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल जिले की बहनों को झूला झुलाया और बहनों पर पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया। उन्होंने उपस्थित बहनों से राखी बंधवाकर श्रावण उत्सव मनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस दौरान जनजातीय वेशभूषा में लोकनृत्य में भी शामिल हुए।

केंद्रीय जनजातीय मामलों के राज्यमंत्री श्री उईके ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए सरकार ने अनेक निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

पिछले 10 वर्षों में देश में जनजातियों का सम्मान बढ़ा है। उनके गांव में ही रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें अब रोजगार की तलाश में अन्य गांवों व शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ता।

विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 60.29 करोड़ रुपए के कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। इनमे 26.70 करोड रुपए लागत के कुल 11 कार्यों का भूमि-पूजन और लोक निर्माण विभाग के सेतु विकास निगम के 33.59 करोड रुपए लागत के 7 कार्यों का लोकार्पण भी किया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परीजन का किया सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री गंजन सिंह कोरकू एवं सरदार विष्णु सिंह गोंड के परिजन का सम्मान किया। साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम स्थल पर आम का पौधा लगाया। बताया गया कि अभियान के तहत जिले में अभी तक 3.40 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के तहत हितलाभ वितरित भी किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल जिले के भैंसदेही में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलो का अवलोकन किया।

उन्होंने आजीविका मिशन के स्टॉल पर महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार वर्मी कंपोस्ट, बांस से बनी होम डेकोरेशन की सामग्री, साबुन, वाशिंग पाउडर, ब्रास मेटल से बनी आकर्षक सामग्री प्रस्तुत की सराहना की।

इसके अलावा वन विभाग के स्टाल में महुआ के लड्डू, महुआ के बिस्कुट और बांस से बनी गई कलाकृतियां प्रस्तुत की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल पर कोदों, कुटकी, ज्वार, बाजरा व मक्का जैसे मोटे अनाजों से तैयार पोषण आहार मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष प्रस्तुत किये गए, जिसे मुख्यमंत्री ने सराहा कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें उपस्थित रहीं।

सहेली के घर गई लड़की से दरिंदगी, दो दिन बंधक बनाकर कराया रेप

शाजापुर। शाजापुर जिले में सोमवार देर रात भारी बवाल मच गया। दरअसल, एक लड़की अपने पिता से नाराज होकर सहेली के घर चली गई थी। लेकिन सहेली ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। लड़की ने आरोप लगाया है कि उसकी सहेली ने उसे घर में बंधक बना लिया और उसके साथ दुष्कर्म कराया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों पर बंधक बनाने और रेप करने का केस दर्ज किया है।

नाराज होकर गई थी सहेली के घर

जानकारी के मुताबिक, लड़की के घर के सामने दानिश नाम का एक लड़का कई महीनों से लगातार चक्कर काट रहा था। इससे लड़की के घरवाले काफी परेशान थे। इसे लेकर पिता से डांट सुनने के बाद लड़की नाराज होकर अपनी सहेली किरण के घर चली गई। जब परिजनों को पता चला कि उनकी बेटी को बंधक बना लिया गया है तब वे लोग सहेली के घर पहुंचे।

सहेली के घरवालों ने कर दिया पथराव

लड़की के परिजनों के पहुंचने पर सहेली के घरवालों ने उन पर पथराव कर दिया। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। भारी संख्या में भीड़ जुट गई। जानकारी के मुताबिक, स्थानीय लोगों का कहना है कि सहेली के घर पर देह व्यापार का काम होता था। इस बारे में जानते ही मौके पर हिंदूवादी संगठन के लोग भी पहुंच गए। बवाल बढ़ने पर वहां पुलिस पहुंची। घर की तलाशी ली गई और लड़की को लेकर पुलिस थाने पहुंची। यह किला रोड इलाके की घटना है।

परेशान करने वाले लड़के से कराया रेप

जानकारी के मुताबिक, लड़की की सहेली किरण किला रोड पर अपने पति जैकि उर्फ तौसिफ के साथ एक किराए के मकान में रहती है। लोगों को शक है कि उनके घर में अनैतिक काम होता है। लड़की ने अपनी शिकायत में बताया कि वह 10 अगस्त को किरण के घर आई थी। वहां सहेली और उसके पति ने उसे रोक दिया। कमरे में उन लोगों ने दानिश से दुष्कर्म कराया। दानिश वही लड़का है जो कई महीनों से उसके घर के आसपास चक्कर काट रहा था। पुलिस ने दानिश, तौसिफ, निक्की और किरण के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सोमवार देर रात इलाके में तनाव फैल गया। लोग जमकर नारेबाजी करने लगे। आक्रोशित लोग कोतवाली थाने पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक, पुलिस स्टेशन में पूछताछ के बाद लड़की को उसके परिजन साथ घर लेकर गए हैं। वहीं चारों आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस जांच कर रही है।

बच्ची से रेप करके थमा दिए 20 रुपए

भिंड। भिंड जिले में एक शख्स ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। आरोपी ने आठ साल की बच्ची के साथ रेप किया और उसे 20 रुपए थमा दिए। जानकारी के मुताबिक, आरोपी एक फेरीवाला है। वह बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया। वहां उसने मासूम के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने फेरीवाले को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक असित यादव ने बताया कि घटना भिंड के गोहद कस्बे में हुई और रविवार को इसकी सूचना मिली।

रेप करके थमा दिए 20 रुपए

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के अनुसार, फेरीवाले ने बच्ची को मिठाई का लालच दिया। इसके बाद वह उसे अपने घर ले गया और कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया। बाद में उस व्यक्ति ने बच्ची को 20 रुपए दिए। अधिकारी ने बताया कि बच्ची के पास 20 रुपए देखकर उसकी मां ने पूछताछ की और बच्ची ने उसे घटना के बारे में बताया। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

पकड़ा गया दरिंदा

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी फेरीवाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले, सरकार सख्त कार्यवाही करें

उज्जैन। बांग्लादेश में हिंदुओं के हो रहे नरसंहार व अत्याचार को लेकर भारत सरकार को शीघ्र ही सख्त रवैया अपनाते हुए वहां की सरकार से हिंदुओं पर हो रहे हमलो को रोकने के लिए चर्चा करना चाहिए तथा बांग्लादेश में निवासरत हिंदुओं व उनके धार्मिक स्थलों के साथ ही अन्य अल्पसंख्यकों पर जेहादियों द्वारा किए जा रहे षडयंत्रपूर्वक हमले को अविलंब रुकवा कर उन्हें सुरक्षा मुहैया करवाई जाए।

यह प्रस्ताव संस्कृति रक्षक मंच के अध्यक्ष श्री शिवेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में सर्वानुमति से पास किया गया व प्रस्ताव मे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह से अविलंब इस मामले में निर्णय कर निर्णायक कार्रवाई का अनुरोध किया गया। मंच के महामंत्री श्री आशुतोष मीणा व श्री राजेश व्यास ने बताया कि बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर हमलों को लेकर मंच की बैठक में पं. श्याम पंचोली ने प्रस्ताव रखा जिसका समर्थन श्री मनोज शर्मा, श्री रितेश खाबिया व वहां मौजूद सभी कार्यकर्ताओं ने किया।

इस बैठक में दो अन्य प्रस्ताव भी पास किए ग। बैठक में मंच के अध्यक्ष श्री तिवारी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए मंच के आगामी कार्यक्रमों एवं संगठन विस्तार को लेकर अपने विचार व्यक्त किये तथा संरक्षक डॉ मदन लाल चौहान व श्री आशुतोष मीणा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर श्री मयूर अग्रवाल श्री निलेश खोयरे, श्री राम शर्मा, श्री प्रशांत राठी श्री राजेश व्यास श्री वीरेंद्र उपाध्याय ने भी अपनी बात रखी कहीं।बैठक में उपस्थित मंच के अध्यक्ष श्री शिवेंद्र तिवारी संरक्षक श्री अशोक कोटवानी, श्री जयप्रकाश राठी, डॉ. आशीष मेहता श्री शिवप्रसाद मालवीय, डॉ. मदनलाल चौहान, श्री अशोक राठौर श्री आर. एल. मिश्रा ने मंच के नवनियुक्त पदाधिकारीयों को नियुक्ति पत्रों का वितरण भी किया। बैठक का संचालन पं. महेंद्र उपाध्याय ने किया व आभार श्री मयूर अग्रवाल ने व्यक्त किया।

जोक से किया चर्म रोग का ईलाज

उज्जैन। माधव सेवा न्यास भारत माता मंदिर द्वारा संचालित धनवंतरी आरोग्य रथ के द्वारा पंचकोशी मार्ग स्थित ग्राम पंचायत मानपुरा (लालपुर) में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में मधुमेह, गठिया, पथरी, बांझपन, लकवा, कैंसर, हृदय रोग, गुर्दे के रोग, महावारी रोग, दमा रोग, बवासीर अर्श रोग का इलाज किया गया।

शिविर में पहुंचे डॉक्टर के द्वारा चर्म रोग का इलाज आयुर्वेदिक पद्धति से किया गया। पानी के अंदर जोक होती है उसे साथ में लेकर डॉक्टर शिविर में पहुंचे और जिस मरीज को चर्म रोग था उस मरीज का इंजेक्शन के माध्यम से हाथ पर खून निकला और जो जोक लेकर आए थे मरीज के हाथ पर चिपका दी, उसके बाद डॉक्टरों का कहना था यह जोक शरीर से अशुद्ध रक्त को चूस लेगी और शुद्ध रक्त को छोड़ देगी। जिस प्रकार हंस दूध और पानी को मिलाने पर दूध को पीकर पानी को छोड़ देता है, ठीक उसी प्रकार जोक भी शरीर का अशुद्ध रक्त को चूस लेती है और शुद्ध रक्त को शरीर में छोड़ देती हैं। शिविर में मुख्य रूप से वैद्य एसएन पांडे, वैद्य विनोद कुमार बैरागी, वैद्य ओपी पालीवाल, वैद्य हेमंत रावल, वैद्य शिरोमणि मिश्रा, वैद्य दिवाकर पटेल, वैद्य रामतीर्थ शर्मा, वैद्य लवीना ठाकुर, वैद्य रविंद्र सिंह भाटी सहित कई डॉक्टर की टीम पहुंची। शिविर में पहुंचे डॉक्टर और जनप्रतिनिधि द्वारा वृक्ष महोत्सव के अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया।

ग्राम मानपुरा के शांति धाम में सैकड़ो की तादात में उज्जैन निवासी समाज सेवी, पर्यावरण प्रेमी और ग्रामवासी महिला पुरुष वृक्ष महोत्सव में भाग लेकर वृक्षारोपण करने पहुंचे और भारत माता की जय, भारत माता की जय, भारत माता की जय, का नारा लगाकर वृक्षारोपण किया।

वृक्षारोपण करने के पूर्व त्रिवेणी की पूजा अर्चना की पूजा के बाद सैकड़ो जनप्रतिनिधि ग्रामीण महिला पुरुष द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम को संपन्न किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठजन प्रदीप पांडे, बुद्धि प्रकाश सोनी, संतोष व्यास सहित सैकड़ो जनप्रतिनिधि महिला पुरुष उपस्थित थे। सभी जनप्रतिनिधियों ने और ग्रामीणों ने बताया हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के अभियान के तहत आज हमारे गांव में वृक्ष महोत्सव में पहुंचकर एक पौधा अपनी मां के नाम पर हमारे द्वारा वृक्ष लगाया गया। जिससे पर्यावरण और प्रकृति की रक्षा होगी और हमारा जीवन भी सुरक्षित रहेगा।

कार्यक्रम के अंत मे ग्राम सरपंच मनोज सिंह ने चिकित्सा शिविर एवं वृक्षारोपण में पधारें सभी चिकित्सक गण, न्यासी गण जनप्रतिनिधि, उज्जैन वासी गण और अन्य लाभार्थी गणो का हृदय से आभार व्यक्त किया। यह जानकारी प्रबन्धक माधव सेवा न्यास ने दी।

विधायक को केले से तोलकर मनाया जन्मदिन

उज्जैन। वार्ड क्रमांक 17 मे उत्तर विधानसभा क्षेत्र से विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा का जन्मदिन जितेन्द्र बिहाणिया मित्र मण्डल द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

जितेन्द्र बिहाणिया ने जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा का जन्मदिन पर आतिशबाजी कर एवं वार्ड क्रमांक 17 के कार्यकर्ताओं ने विधायक को केले से तोलकर व तिरंगा टोपी पहनाकर जन्मदिन मनाया गया।

इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ जन एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने फूलों की माला पहनकर विधायक को जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर माननीय विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने कार्यकर्त्ताओ को माननीय प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम हर घर तिरंगा से जुड़कर हर घर तिरंगा लगाने की शपथ दिलवाई, भाजपा नेता महेश चौहान ने बताया कि विधायक अनिल जैन वैसे तो क्षेत्र में हर तरह के विकास कर रहे हैं। लेकिन उनके जन्मदिन पर उनके उज्जवल भविष्य की कामना बाबा महाकाल से की है। साथ ही बाबा महाकाल से कामना करते हुए कार्यकर्ताओं ने उत्तर विधानसभा क्षेत्र में चौमुखी विकास करने के लिए उन्हें शुभकामनाएं दि विधायक को केले से तोलने के बाद उसका वितरण किया गया। इस मौके पर जितेंद्र मालवीय, योगेंद्र यादव, अभिमित जैन, डॉ. राकेश सिसोदिया, बसंत भारती, राजवीर बारानिया, राजेश भारती, राहुल नागवंशी, कमल बागवंशी, राजकुमार टटावत, मुकेश भाटिया, पंकज बिहाणिया, नरेन्द्र बागवंशी, सुशील जिनवाल, सुशील सिसोदिया, अतिश अखंड, चरणजीत सिंह भाटिया, दीपक शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भारत में सिगरेट और बीड़ी पीने का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। इनके पैकट पर वैधानिक चेतावनी देने का भी कोई असर नहीं हुआ। अब सूखा नशा लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। यह एक ऐसी बुराई है जो व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक स्थिति को पूरी तरह से बिगाड़ देती है। यह आदतें न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज के ताने बाने पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। विभिन्न स्त्रोतों और सर्वे के नतीजे बताते हैं कि राजधानी दिल्ली में ही कम से कम 10 से 20 फीसदी युवा नशे की चीजों के आदी हो चुके हैं। सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध के बावजूद इसको रोकने के लिए अभी तक की गई कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं। नशे की गिरफ्त में आकर लोग अकसर अपनी जिम्मेदारियों को लापरवाही पूर्वक नजरअंदाज कर देते हैं। इसके प्रभाव से बचने के लिए उचित शिक्षा और सक्रिय जागरुकता की परम आवश्यकता है। साथ ही नशे के खिलाफ ठोस आन्दोलन प्रयास करने की भी जरूरत है। केवल व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास ही इस समस्या को समाप्त कर सकते हैं। अकेले, सरकार के बस का तो यह होने से रहा। आपको देश का शायद ही कोई शहर मिले, जहां के अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्रों, हाई प्रोफाइल इलाकों और एलीट जोनों, बड़े मार्केटों में नशा उपलब्ध न हो।

युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही धुएं के छल्ले में

नशे पर पूरी तरह से बैन ही नहीं लग पा रहा है। राजधानी दिल्ली तो नशे के कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। इसके पीछे नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता तथा गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव के चलते हो रहे डिप्रेशन को कम करने में मदद मिलने जैसी बड़ी वजह भी है। इसके साथ ही मौजूदा पारिवारिक ढांचा और शिक्षा की कमी से हो रहे भटकाव तथा अज्ञानता भी नशे को बढ़ावा देने में मददगार बन रहा है। इसका सबसे बुरा असर हमारे कम उम्र के स्कूल और कॉलेज जाने वाले लड़के-लड़कियों पर भी बुरी तरह पड़ रहा है। थोड़ी सी मस्ती, अति उत्साह और सामाजिक आचार-विचार के प्रति बेरुखी के चलते खुद को बिंदास, बेपरवाह दिखाने के लिए ड्रिंक्स, स्मोकिंग, च्युइंग एडिक्शन जैसी आदतें अपनाने को वह अपने को आधुनिक और प्रगतिशील सिद्ध करने के लिये जरूरी मान बैठे हैं।

दिल्ली और देश के शेष भागों में सूखे नशे में केवल तंबाकू या गुटखा ही नहीं इस्तेमाल हो रहा है। तस्करी चोरी के जरिए बड़े पैमाने पर गांजा, हेरोइन, स्मैक, चरस, कोकेन, मिथाइलीनडाइऑक्सी मेथाम्फेटामाइन (एमडीएमए), एक्स्टसी सिंथेटिक टैबलेट और पाउडर, मेफेड्रोन पाउडर और कैप्सूल तथा कोडीन मिला हुआ कफ सिरप को भी लाकर भी बेचा जा रहा है। एमडीएमए एक तरह का सिंथेटिक ड्रग है, जो उत्तेजक और बुद्धिभ्रष्ट कारक है। इस ड्रग के इस्तेमाल मात्र से शरीर पर बदलाव आने लग जाते हैं। सिंथेटिक ड्रग्स का उदय एक महामारी के रूप में हो रहा है जो कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है, खासकर युवा लोगों को। नए जमाने में सुरक्षा के नाम पर ई-सिगरेट का भी प्रचलन भी बढ़ता जा रहा है। इसमें धुआं भले ही न हो, लेकिन निकोटीन होने से स्वास्थ्य के लिए नुकसान में जरा सी भी कमी नहीं है। राजधानी के प्रतिष्ठित गंगा राम अस्पताल दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक, मेडिसिन डॉ. मोहसिन वली कहते हैं, भारत में तंबाकू सेवन करने वालों, विशेष रूप से धूम्रपान करने वालों की बढ़ती संख्या के चलते इस पर नियंत्रण के लिए बनाई गई नीतियों की तुरंत समीक्षा की जरूरत है। निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी), गर्म तम्बाकू उत्पाद (एचटीपी) और स्नस (धुआं रहित तंबाकू) जैसे वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों के इस्तेमाल से नशे पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है। हालांकि एनआरटी को मेडिकल स्टोर पर केवल डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन पर ही लिया जा सकता है, जिसके कारण इसकी सरल उपलब्धता अब मुश्किल हो गई है। अब इसे सीधे कोई आसानी नहीं ले सकता है। जानकारों का कहना है कि अधिकांश लोग एनआरटी का उपयोग तब बंद कर देते हैं, जब उन्हें लगता है कि अब उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। एनआरटी में निकोटीन की मात्रा सिगरेट की तुलना में वैसे तो कम होती है। निकोटीन को मस्तिष्क तक पहुंचने और इंसान को निकोटीन का प्रभाव देने में भी काफी समय लगता है। इसका मतलब यह है कि धूम्रपान छोड़ने की तुलना में एनआरटी का उपयोग बंद करना बहुत आसान है। सबसे बेहतर बात ये है कि एनआरटीके साइड इफेक्ट भी ज्यादा खतरनाक नहीं हैं।

इसके साथ ही अब गुटखा को खाने वालों की तादाद चक्रवद्धि ब्याज की रफ्तार से बढ़ती ही चली जा रही है। इसमें तंबाकू की कितनी मात्रा हो, इसको लेकर कोई गाइडलाइंस नहीं है। इसको खाना अगर जरूरी ही है तो बिना तंबाकू वाले इसके इलायची आदि के स्वादिष्ट फ्लेवर क्यों नहीं बनाए जा रहे हैं, जिससे इसको खाने का मजा तो आए, लेकिन स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर नहीं पड़े। कुछ समय पहले राजधानी के बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनरी मेडिसिन डॉ. पवन गुप्ता कह रहे थे, सबसे गंभीर बात यह है कि आम लोगों में तंबाकू का प्रचलन बढ़ रहा हैं, क्योंकि देश भर में सड़क के आसपास बनी दुकानों में तंबाकू आसानी से उपलब्ध है। मौजूदा सरकारी नीतियां तंबाकू के बढ़ती लत को रुकवाने में विफल रही हैं। अब इस मसले को रोकने के लिए विकसित देशों में अपनाए गये वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों पर विचार करना जरूरी है। इससे तंबाकू के सेवन पर रोक लगाने में कारगर सफलता मिल सकती है।

आज भारत बुरी तरह से नशे की समस्या से जूझ रहा है। यह बेहद जटिल और बहुआयामी मुद्दा है जो देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक ताने बाने को क्षति पहुँचा रहा है। नशीली दवाओं की लत लगातार बढ़ने से निजी जीवन में अवसाद, पारिवारिक कलह, पेशेवर अकुशलता और सामाजिक सह-अस्तित्व की आपसी समझ में कमी की समस्याएं सामने आ रही हैं। मुझे लगातार इस तरह के परिवारों के बारे में पता चलता है जो अपने किसी सदस्य के नशे का दास बनने से परेशान है। हमारे युवा नशे की लत के ज्यादा शिकार हो रहे हैं।

युवावस्था में करियर को लेकर एक किस्म का दबाव और तनाव रहता है। ऐसे में युवा इन समस्याओं से निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेता है और अंततः नशे के कुचक्र में फंस जाता है। इसके साथ ही युवा एक गलत पूर्वधारणा का भी शिकार होते हैं। उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर धुएं के छल्ले उड़ाना और महंगी पार्टीज में शराब के सेवन करना उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक भी जान पड़ता है। दरअसल नशे के बढ़ने के कई आयाम हैं। इसके खिलाफ सारे देश को मिलकर लड़ना होगा। वरना तो नशे की लत का विस्तार जारी ही रहेगा।

कहाँ गये सावन के झूले?

कस्बे और गांवों में सावन मास में झूला झूलने की परम्परा अब अतीत का हिस्सा बन गई है। सावन मास में कस्बे से लेकर गांवों तक पेड़ों में झूले डाले जाते थे और इनमें गांव की महिलाएं व बच्चे झूलते थे। महिलाएं भी झूला झूलने के दौरान सावनी गीत भी गाती थी, लेकिन अब गांवों में ये गीत कहीं भी नहीं सुनाई देते हैं। आधुनिकता के दौर में गांव की चौपालें भी सावन मास के गानों से सूनी हो गई है।

एक गांव के बुर्जुग ने बताया कि सावन मास शुरू होते ही गांवों की चौपालों में सावन के गीत सुनाई देते थे। बच्चे भौंरा नचाते थे। दौड़ कबड्डी, पकड़ कबड्डी, सर्रा, सिलोर समेत तमाम खेल भी खेलते थे। जगह-जगह पेड़ों में झूले पड़े रहते थे, जिसमें बच्चों के साथ महिलाएं सावन के गीत गाती हुई झूला झूलती थी। और तो और चौपालों में देर रात तक महिलाएं और पुरुषों के समूह उच्च स्वर में गाए जाने वाले सावन गीत, प्रेम एकता की सुगंध वातावरण में बिखेरते थे। लेकिन अब

गांव की चौपालों में सावन मास की धूम नहीं दिखाई देती।

गांवों के लोगों ने बताया कि शहर से लेकर गांवों तक मोबाइल फोन की धूम हर उम्र के लोगों में मची है। जिन बच्चों को घर के बाहर पुरानी परम्पराओं के खेल खेलने चाहिए, वह आज मोबाइल में लगे रहते हैं। महिलाओं ने भी सावन मास की परम्पराओं से दूरी बनाई हैं। मन भावन सावन आकर कब निकल जाता है, पता नहीं चलता।

कुछ स्थानों पर बच्चों के झूले दिख जाते हैं। लेकिन सावन माह की अन्य परम्पराओं के आमोद प्रमोद वाले कार्यक्रम अब नहीं नजर आते हैं। बुजुर्गों का कहना है कि शहर और कस्बों में शाम होते ही सन्नाटा पसरने लगता है। वहीं गांव की चौपालें भी सावन में सूनी हैं।

हिंडनबर्ग और देश के कुछ गद्दार चाहते हैं देश की आर्थिक स्थिति खराब करना

भारत के भविष्य को लेकर जिस तरह के सकारात्मक-सफल रुझान विश्व के बड़े-बड़े आर्थकि विश्लेषकों ने लगाए हैं और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की जो गति इस वक्त देश में चल रही है, उस सब को ध्वस्त करने का काम फिर एक बार विदेशी षड्यंत्र द्वारा भारत में शुरू होता दिख रहा है। अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च का अपनी नई रिपोर्ट के माध्यम से यह दूसरा इस प्रकार का बड़ा प्रयास है। आश्चर्य होता है यह देखकर कि उसे हाथों-हाथ लेकर कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन अपने ही देश की अर्थव्यवस्था को लेकर आम जन में अविश्वास पैदा कर रहा है, यह दृश्य अकल्पनीय है। इससे साफ है कि बढ़ते और विश्व की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने जा रहे भारत को कमजोर करने की योजना बहुत गहरी है। ऐसे में कम से कम भारत के विपक्ष से तो यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि वह देश को आर्थकि मोर्चे पर कमजोर करने का काम करेगा।

भारत के भविष्य को लेकर जिस तरह के सकारात्मक-सफल रुझान विश्व के बड़े-बड़े आर्थकि विश्लेषकों ने लगाए हैं और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की जो गति इस वक्त देश में चल रही है, उस सब को ध्वस्त करने का काम फिर एक बार विदेशी षड्यंत्र द्वारा भारत में शुरू होता दिख रहा है। अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च का अपनी नई रिपोर्ट के माध्यम से यह दूसरा इस प्रकार का बड़ा प्रयास है। आश्चर्य होता है।

यह देखकर कि उसे हाथों-हाथ लेकर कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन अपने ही देश की अर्थव्यवस्था को लेकर आम जन में अविश्वास पैदा कर रहा है, यह दृश्य अकल्पनीय है। इससे साफ है कि बढ़ते और विश्व की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने जा रहे भारत को कमजोर करने की योजना बहुत गहरी है। ऐसे में कम से कम भारत के विपक्ष से तो यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि वह देश को आर्थकि मोर्चे पर कमजोर करने का काम करेगा।

वैसे तो बांग्लादेश में हिंसा के मुद्दे पर विपक्ष ने संसद में जैसा भरोसा मोदी सरकार के साथ खड़े होकर दिखाया था, वैसा ही रवैया किसी विदेशी और संदिग्ध शोध एजेंसी की रिपोर्ट पर भी दिखाना चाहिए था। हालांकि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर विपक्षी पार्टियां एवं उसके ज्यादातर नेता चुप हैं, जिसकी कि सर्वत्र आलोचना भी हो रही है, क्योंकि यही विपक्ष फिलीस्तीन और गाजा, हमास पर मोदी सरकार पर दबाव बना रहा था कि वह इजरायल को इनके खिलाफ कार्रवाई करने से रोके।

यहां वैसा ही विश्वास आज आर्थकि मोर्चे पर राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेताओं को दिखाना चाहिए था, लेकिन इसके उलट जाकर इस वक्त जो रवैया विपक्ष का दिख रहा है, उसे लेकर कहना यही होगा कि वह देश को कमजोर करने वाला ही साबित हो रहा है।

यहां विपक्ष की सोच यह है कि इससे मोदी सरकार कटघरे में खड़ी हो जाएगी, देश की जनता के सामने कमजोर नजर आएगी। हो सकता है उसका ये सोचना राजनीतिक स्तर पर उसके अपने फायदे के लिए सही कहलाए, किंतु हर बार राजनीतिक सोच सही हो, यह जरूरी नहीं है। इस नकारात्मक व्यवहार से दुनिया भर के निवेशकों में भारत के प्रति अविश्वास पैदा हो रहा है, उसका खामियाजा देश के आम जन भुगतते हैं। आखिर उसकी भरपाई कौन करेगा आज कांग्रेस, सपा, आप समेत अन्य कई विपक्षी दल जो अर्थ के क्षेत्र में अस्थिरिता की छवि भारत की बना देना चाह रहे हैं, उससे इन्हें लाभ तो क्या होगा, हां, इतना जरूर होता दिखता है कि देश में नौकरियों में कमी आ रही है। निर्यात पर इसका बुरा असर पड़ना शुरू हो गया है। कुछ दिन बाद फिर यही विपक्ष राग अलापना शुरू कर देगा कि देश में मोदी सरकार के राज में नौकरियां नहीं है। कुल मिलाकर आर्थकि मोर्चे पर भारत विपक्ष के इस आचरण से कमजोर पड़ता ही दिखा है।

अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग ने मार्केट रेगुलेटर सेबी की प्रमुख माधबी पुरी बुच पर अदाणी ग्रुप से मिलीभगत का आरोप लगाया है। भले ही फिर सेबी और अदाणी ग्रुप ने हिंनडबर्ग के सभी आरोपों से इनकार किया और यह सिद्ध करने के लिए कि हिंडनबर्ग ने जो बोला वह सही है, इसका कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन इसके बाद भी झटका स्टॉक मार्केट में दिखा। अधिकतर वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों के बावजूद भी घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ खुले। अदाणी ग्रुप के सभी शेयरों में बिकवाली का दो कंपनियों को छोड़कर अन्य पर भारी दबाव देखने को मिल रहा है। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को छोड़ निफ्टी के सभी सेक्टर्स के इंडेक्स रेड पर देखे गए और एक ही दिन में हिंडनबर्ग के झटके से अधिकतर वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों के बावजूद घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में ओवरऑल बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 2.26 लाख करोड़ रुपये घट गया। यानी निवेशकों की दौलत मार्केट खुलते ही 2.26 लाख करोड़ रुपये डूब गई थी।

सोचने वाली बात है कि यदि राहुल गांधी, जो कि आज के समय में एक संवैधानिक पद पर हैं, नेता प्रतिपक्ष हैं, वे और अन्य विपक्षी नेता इतना अधिक नकारात्मक माहौल नहीं बनाते तो क्या इसका यही असर होता जो देखने को मिला स्वभाविक है, ऐसा नहीं होता, न ही 2.26 लाख करोड़ रुपये निवेशकों के डूबे होते! अब यह अलग बात है कि 12 अगस्त की शाम होते-होते मार्केट में भारत के शेयर बाजार के प्रति भरोसा वापिस आ गया और उसने हिंडनबर्ग रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया, जिसके चलते निफ्टी-सेंसेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करते दिखे। बाजार ने सेबी की सलाह मानी।

वस्तुतः भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपनी पहली टिप्पणी में ही साफ कर दिया था कि उसने अडाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है। हिंडनबर्ग जिस फंड का जिक्र करते हुए माधबी पुरी बुच उनके पति धवल बुच को घेरने का प्रयास कर रहा है, उसका कोई आधार नहीं, क्योंकि उनके इस पद पर आने के बाद इस प्रकार का कुछ भी नहीं किया गया, जैसा कि हिंडनबर्ग ने दिखाया है । धवल बुच ने भी इस संबंध में अपनी ओर से सही जानकारी दी ही है। उनके कथन को लेकर सेबी का भी अधिकारिक बयान मौजूद है, जिसमें साफ बता दिया गया है कि उनकी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने समय-समय पर संबंधित जानकारी सेबी को दी और संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग रखा है।

अब ऐसे में यहां यह देखकर आश्चर्य जरूर होता है कि जो हिंडनबर्ग रिसर्च, पूंजी बाजार नियामक सेबी को बदनाम करना चाहता है, इसके बहाने वह भारत की अर्थव्यवस्था पर हमला कर रहा है, वह कभी गौतम अडानी को घेरता है तो कभी सेबी को, लेकिन जब पूंजी बाजार नियामक (सेबी) उसे इस तरह से झूठ फैलाने पर कारण बताओ नोटिस जारी करती है तो यही हिंडनबर्ग रिसर्च, जो अपने आप को एक बहुत बड़ा आर्थकि विश्लेषक और शोध संस्थान मानता है, वह उसका जवाब तक नहीं देता। यानी कि आरोप लगाओ और भाग जाओ!

सच कहा जाए तो राहुल गांधी समेत जो भी इस हिंडनबर्ग रिपोर्ट को अपने राजनीतिक फायदे के लिए उसे भुनाने का अवसर मान रहे हैं वह देश को ही कमजोर करने का काम कर रहे हैं। वस्तुतः आज यह सभी को समझना होगा कि अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च खुद शेयर मार्केट में अपने फायदे के लिए काम करने वाली एक संस्था है। भारत के शेयर बाजार को धराशाही कर वह उसमें अपना बड़ा फायदा देखती है। पहले भी उसने ऐसा कर अपने लिए आर्थकि सफलता हासिल की थी जिसमें कि भारत को कई हजार करोड़ का नुकसान हुआ था और वर्तमान में भी वह उसी राह पर चल रही है। उसका कुल उद्देश्य हर हाल में अपना लाभ कमाना है।

हकीकत इस हिंडनबर्ग रिपोर्ट की यही है कि वह पहले की तरह ही इस बार भी पूरी तरह से झूठी है। अच्छा हो, भारत का विपक्ष इस बात को समझे और उसी अनुरूप आचरण करे। यही देशहित में है।

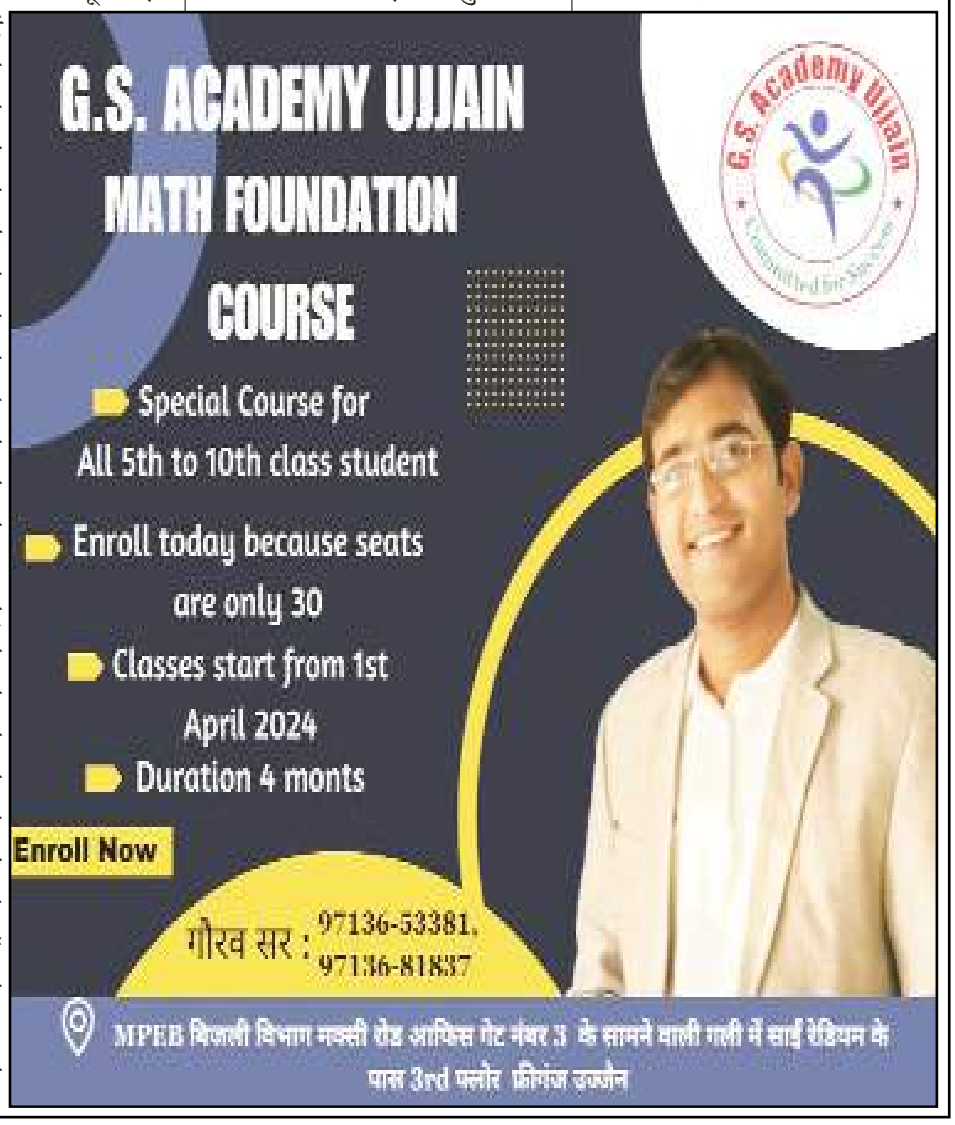

नगर निगम द्वारा निकाली जायेगी विशाल तिरंगा यात्रा

उज्जैन। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व 14 अगस्त को देशभक्ति की अलख जगाने एवं आजादी का जश्न मनाए जाने हेतु हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव के निर्देश अनुसार नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, शिक्षा विभाग, महिला बाल विकास विभाग एवं जनप्रतिनिधिगण के सहयोग से दिनांक 14 अगस्त को प्रातः 10.30 बजे से क्षीरसागर स्टेडियम से लेकर शहीद पार्क तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

आयोजन की सफलता एवं अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित किए जाने हेतु सोमवार को मेला कार्यालय पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा,महापौर श्री मुकेश टटवाल, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा जनप्रतिनिधीयों की उपस्थिति में बैठक आयोजित करते

हुए कार्यक्रम के आयोजन पर चर्चा की गई।

तिरंगा रैली को भव्य रूप दिए जाने हेतु रैली में विशेष रूप से पुलिस बैंड रहेगा, रैली के मार्ग पर स्वागत मंच बनाए जाकर पुष्पवर्षा करते हुए स्वागत किया जाएगा। इसके साथ ही समस्त शहरवासी, सामाजिक संस्थाएं, विद्यार्थियों से लेकर हर उम्र के नागरिक अपने हाथों में तिरंगा थामते हुए इस रैली में शामिल होकर रैली को सफल बनाएंगे।

निगम ने बनाए सेल्फी प्वाइंट

नगर निगम द्वारा सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं जिन्हें शहर के प्रमुख स्थानों पर रखा गया है शहरवासी सेल्फी पॉइंट पर तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी लेकर ज्यादा से ज्यादा सोशल मीडिया पर साझा कर सकते हैं।

बैठक में एमआईसी सदस्य श्री कैलाश प्रजापत, श्री अनिल गुप्ता, जोन अध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास, श्री सुरेंद्र मेहर, पार्षद श्री गब्बर भाटी, श्री राजेश बाथम, अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, उपायुक्त श्रीमती कृतिका भीमावत, श्री प्रेम कुमार सुमन,श्री मनोज मौर्य, श्रीमती आरती खेडेकर,सहायक आयुक्त श्री प्रदीप सेन एवं अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री निवास पर हुआ अहिल्याबाई होलकर नगरीय महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन एवं रक्षाबंधन

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर देवी अहिल्याबाई होलकर नगरीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन तथा रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें सम्पूर्ण प्रदेश की महिला महापौर, निगम अध्यक्ष एवं पार्षद जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है,उज्जैन से निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव जी एवं महिला पार्षद कार्यक्रम में सम्मिलित हुई।

भोपाल में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नगर निगम मुख्यालय स्थित पंडित अटल बिहारी वाजपेई सभा ग्रह में महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, एमआईसी सदस्य श्री प्रकाश शर्मा, श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री जितेंद्र कुवाल, श्री कैलाश प्रजापत, जोन अध्यक्ष श्री सुरेंद्र मेहर की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्व सहायता समूह की महिलाओं को हितलाभ वितरण किया गया।

हितलाभ वितरण के अंतर्गत नवदुर्गा स्व सहायता समूह को 5 लाख,दीप ज्योति स्व सहायता समूह को 06.50 लाख के ऋण की राशि प्रदान की गई साथ ही प्रधानमंत्री स्व निधि योजना अंतर्गत हितग्राहियों को दस दस हजार के सहायता राशि के चेक भी वितरण किए गए।

कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि श्री गोपाल अग्रवाल, श्री घनश्याम गोड ,श्री करण परमार,अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, सहायक आयुक्त श्री प्रदीप सेन उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी उज्जैन जिला ग्रामीण के उज्जैन ग्रामीण मंडल में उत्साह व उमंग के साथ भारत माता की जय, वंदे मातरम के उद्घोष से युक्त तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी गजेंद्र परमार व दीपक चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा उज्जैन द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन ग्राम लेकोड़ा से होकर चिंतामन गणेश मंदिर तक किया गया। इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया, उज्जैन ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष रविशंकर वर्मा, मण्डल प्रभारी शंकर सिंह राजपूत और सैकड़ों युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड एवं सिल्वर मेडल जीते

उज्जैन। मध्य प्रदेश राइफल एसोसिएशन संघ की 27वीं राइफल शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन महू के आर्मी मार्क्समैनशिप में किया गया।जिसमें मे शॉटगन, एयर गन, एयर पिस्टल, पॉइंट 22 राइफलएवं पॉइंट 22 पिस्टल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

हनुवंत सिंह लालगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि महू के शूटिंग प्रतियोगिता मे उज्जैन के शूटरो ने गोल्ड एवं सिल्वर मेडल हासिल कर धार्मिक नगरी उज्जैन का नाम रोशन किया है। शूटर ज़ाहिद अली बन्दूक वाला नें पॉइंट 22 स्टैंडर्ड पिस्टल मास्टर कैटेगरी में रजत पदक प्राप्त किया। इसी क्रम में उज्जैन की होनहार शूटर देवांशी गोविंल ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्सड टीम में गोल्ड मेडल 50 मीटर फ्री पिस्टल जूनियर वुमन इंडिविजुअल में ब्रॉन्ज मेडल 50 मीटर फ्री पिस्टल सीनियर वूमेन इंडिविजुअल में सिल्वर मेडल एवं 25 मी स्पोर्ट्स पिस्टल जूनियर वुमन इंडिविजुअल में ब्रॉन्ज मेडल, 25 मी स्पोर्ट्स पिस्टल सीनियर वूमेन इंडिविजुअल मै ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया।

लालगढ़ के होनहार शूटर हेरम्भ सिंह ने ट्रैप शॉटगन प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया और पॉइंट 22 राइफल इवेंट में 2 ब्रोंज मेडल प्राप्त किये। दिव्यरतन सिंह लालगढ़ नें डबल ट्रैप इवेंट में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। प्रतियोगिता मे शामिल हुए तीनों शूटरों को उज्जैन आगमन पर फूलों की माला से स्वागत किया गया। उज्जैन संभाग का नाम रोशन करने पर बधाई प्रेक्षित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामनाये की।

21 लाख 'ओम नमः शिवाय जाप' किये

उज्जैन। शहर के हृदय स्थल टॉवर चौक पर 11 अगस्त की रात ओम नमः शिवाय जाप गूंज उठा। बड़ी संख्या में भक्तों ने ओम नमः शिवाय जाप किये। पूरा माहौल शिव की भक्ति में रम गया। रवि राय एवं हरिसिंह यादव के अनुसार ओम नमः शिवाय जप समिति द्वारा बाल योगी उमेश नाथजी महाराज की प्रेरणा से श्रावण मास में आयोजित ओम नमः शिवाय जाप की श्रृंखला में टॉवर चौक पर रविवार को यह धार्मिक अनुष्ठान हुआ। जिसमें विधायक महेश परमार, कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी, महेश परियानी, ललित लुल्ला, शशांत चंदेरिया, देवेन्द्र नागवंशी, हितेश तिवारी, राहुल गुरू, दीपक पांचाल, रजनीश मरमट, सुमंत बरमन, हर्ष गोमे, कपिल नागवंशी, दीपू, लक्की, गौरव पंवार, प्रवीण गेहलोत, पंकज, संदीप अकोदिया सहित बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। इस दौरान 21 लाख से अधिक जाप भक्तों द्वारा किये गये। हरिसिंह यादव एवं रवि राय सहित समिति के सभी सदस्यों ने नगर के नागरिकों से अनुरोध किया कि वह भी अपने-अपने स्थान पर ओम नमः शिवाय का जाप लगातार करें और जहां समिति सदस्य की आवश्यकता हो वहां पर भी समिति के सदस्य अपने संपूर्ण टीम के साथ उस स्थान पर ओम नमः शिवाय जप का कार्यक्रम करेंगे। आपने शहर के संपूर्ण शिव भक्तों, श्रद्धालु और शिव साधना में लगे हुए नागरिकों से अनुरोध किया है कि वह इस भक्ति में अपनी भूमिका एवं समय का सहयोग देकर के अपने जीवन को शिवमय बनाए।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।

● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)